जागरण

सावधान! तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर, सात साल पहले लखनऊ के पर्यावरणविद ने जताई थी चिंता

Author: Vivek Rao

Publish Date: Tue, 11 Oct 2022 11:47 AM (IST) Updated Date: Tue, 11 Oct 2022 11:47 AM (IST)

Global warming Effect ग्वाइट्स ग्लेशियर जिसे बर्फ की नदी या डूम्सडे ग्लेशियर भी करते हैं वह अपने पतन के प्रारंभिक अवस्था में है। विश्व में आधा दर्जन ग्लेशियर समुद्र में समा रहे हैं। जो समुद्र के स्तर को चार फीट बढ़ा दिया है।

लखनऊ, [विवेक राव]। Global warming Effect: दुनिया के कई बड़े ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। अंटार्कटिका में डूम्सडे ग्लेशियर दुनिया के एक बड़े ग्लेशियर में शामिल है। इसके पिघलने से समुद्र में जल स्तर में बढ़ोतरी हो रही है। विश्व के पर्यावरणविद जिस ग्लेशियर के पिघलने को लेकर आज चिंतित हैं, उस चिंता का सात साल पहले लखनऊ के पर्यावरणविद और स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंस के महानिदेशक डा. भरत राज सिंह ने अपनी पुस्तक में उल्लेख किया था। अपने अध्ययन में उन्होंने बताया था कि इन ग्लेशियरों के पिघलने से वैश्विक स्तर पर खतरा बढ़ेगा।

ग्लेशियर दो किलोमीटर पीछे हटा: पर्यावरण पर वैश्विक अध्ययन करने वाले प्रो. सिंह का कहना है कि अभी वैश्विक स्तर पर फ्लोरिडा के थ्वाइट्स ग्लेशियर गुजराज राज्य के बराबर है। इसमें अंटार्कटिका की भागीदारी पांच प्रतिशत है। पिछले छह माह में इस ग्लेशियर के पिघलने की घटना अचानक से हुई है। इसकी वजह से यह ग्लेशियर दो किलोमीटर पीछे हट गया है। पिछले एक दशक में यह दर दोगुणा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में उन्होंने अपनी पुस्तक ग्लोबल वार्मिंग- कारण, प्रभाव और उपचार में इस विषय में लिखकर चिंता जताई थी। इसमें उन्होंने बताया था कि ग्लेशियर अपने पतन के चरण में है।

बर्फ की नदी पतन की ओर: थ्वाइट्स ग्लेशियर जिसे बर्फ की नदी या डूम्सडे ग्लेशियर भी करते हैं, वह अपने पतन के प्रारंभिक अवस्था में है। विश्व में आधा दर्जन ग्लेशियर समुद्र में समा रहे हैं। जो समुद्र के स्तर को चार फीट बढ़ा दिया है। अपने अध्ययन के आधार पर उन्होंने यह भी बताया कि वैज्ञानिकों को आज डर सता रहा है कि थ्वाइट्स ग्लेशियर पिघलकर आसपास के ग्लेशियरों को भी अस्थिर कर सकता है। इससे समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से बढ़ोतरी होगी। भारत सहित सभी समुद्र तटीय इलाके बदल सकते हैं। जलवायु में भी इससे परिवर्तन होगा। मौसम में कभी भारी बारिश, चक्रवात, बर्फ गिरने की समस्या आगे और बढ़ सकती है।